**भारत सरकार**

**कृषि मंत्रालय**

**कृषि एवं सहकारिता विभाग**

**\*\*\*\*\***

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1112**

**23 मार्च, 2012 के लिए प्रश्‍न**

**विषय : राष्‍ट्रीय बागवानी मिशन ।**

**1112 श्री हुसैन दलवई** :

क्‍या **कृषि मंत्री** यह बताने की कृ‍पा करेंगे कि :

**(क)**  क्‍या देश में राष्‍ट्रीय बागवानी मिशन का प्रचालन हो रहा है;

**(ख)**  यदि हां, तो मिशन के अंतर्गत अब तक क्‍या प्रगति हुई है; और

**(ग)** उक्‍त मिशन से महाराष्‍ट्र के फल उत्‍पादक कितने लाभान्वित हुए हैं ?

**उत्‍तर**

**कृषि एवं खाद्य प्रसंस्‍करण उद्योग मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (डॉ0 चरण दास महन्‍त)**

1. और (ख): जी हां, राष्‍ट्रीय बागवानी मिशन 2005-06 से महाराष्‍ट्र के साथ 18 राज्‍यों में और तीन संघशासित राज्‍यों अंडमान और निकोबार आइसलैंड, लक्ष्‍यद्वीप और पुडुचेरी में प्रचालित किया जा रहा है। शेष राज्‍य, पूर्वोत्‍तर और हिमालयी राज्‍यों के लिए बागवानी मिशन में कवर किए गए।
* वर्ष 2005-12 (20.03.2012) के दौरान बागवानी के विकास के लिए उपरोक्‍त राज्‍यों को 6278.90 करोड़ रू0 अनुमोदित किए गए।
* वर्ष 2005-12 (फरवरी, 2012 तक) के दौरान 2289 नई नर्सरियां स्‍थापित की गयीं।
* विभिन्‍न बागवानी फसलों के अन्‍तर्गत लगभग 21.15 लाख हैक्‍टेयर नये बागानों का अतिरिक्‍त क्षेत्र लाया गया था।
* पुराने और जर्जर बागानों की 3.86 लाख हैक्‍टेयर का पुनरूद्धार किया गया।
* जैविक कृषि के अन्‍तर्गत 1.39 लाख हैक्‍टेयर क्षेत्र लाया गया।
* संरक्षित कृषि के अन्‍तर्गत 20,134 हैक्‍टेयर क्षेत्र कवर किया गया (ग्रीन हाउस/सेडनेट हाउस कल्‍टीवेशन, मल्चिंग आदि)।
* 9.46 लाख हैक्‍टेयर के क्षेत्र में समेकित पोषक तत्‍व प्रबंधन (आईएनएम) और समेकित कृमी प्रबंधन (आईपीएम) अपनाया गया।
* 386 आईएनएम/आईपीएम अवसरंचना जैसे रोग पुर्वानुमान यूनिटों, जैव नियंत्रण प्रयोगशालाओं, पौध स्‍वास्‍थ्‍य क्‍लीनिकों और लीफ/टिशु विश्‍लेषण प्रयोगशालाएं स्‍थापित किए गए।
* बागवानी फसलों के महत्‍वपूर्ण सिंचाई प्रदान करने के लिए 23889 सामुदायिक टैंक सृजित किए गए।
* 7675 कटाई पश्‍चात प्रबंधन यूनिटों की स्‍थापना की गयी यथा पैक हाउस, शीतागार/सीए/एमए भंडार यूनिट, पूर्व शीतल यूनिट, राइपनिंग चैम्‍बर्स, प्रशीतित वाहन, चल/प्राथमिक प्रसंस्‍करण यूनिट।
* 387 मण्‍डी अवसंरचना यथा संकलन भंडारण ग्रेडिंग और पैकिंग के लिए थोक मंडियों ग्रामीण मंडियों और अवसंरचना सृजित किए गए।
* पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान बागवानी फसलों के दौरान उत्‍पादन 182.82 मिलियन टन से बढ़कर 240.43 मिलियन मीट्रिक टन हो गया।
* इसके निर्यात में पर्याप्‍त वृद्धिने देश को 14,000 करोड़ रू0 की विदेशी मुद्रा अर्जित करने में मदद।

**(ग)** वर्ष 2005 से 2012 (जनवरी, 2012) के दौरान महाराष्‍ट्र राज्‍य में एमएचएम कार्यक्रम के कार्यान्‍वयन के लिए 895.03 करोड़ रू0 की राशि निर्मुक्‍त की गयी। महाराष्‍ट्र में मिशन ने फल उत्‍पादकों को बड़ी संख्‍या में लाभान्वित किया जिसमें शामिल हैं;

\* बागवानी फसलों के अन्‍तर्गत 4.85 लाख हैक्‍टेयर का क्षेत्र लाया गया जिसमें से 1.95 लाख हैक्‍टेयर का क्षेत्र फलों के अन्‍तर्गत कवर किए गए हैं।

\* पुराने और जर्जर बागानों के 0.94 लाख हैक्‍टेयर क्षेत्र का पुररूद्धार किया गया।

\* एनएचएम के अन्‍तर्गत फल उत्‍पादकों को अन्‍य कार्यकलापों से भी लाभान्वित किया गया यथा नयी नर्सरियों का सृजन, टिशु कल्‍चर प्रयोगशालाओं, सामुदायिक टैंकों का सृजन, समेकित पोषक तत्‍व प्रबंधन को अपनाना, समेकित कृमी प्रबंधन, कटाई पश्‍चात प्रबंधन और विपणन के लिए अवसंरचना सृजन।

\*\*\*\*\*